10 अगस्त 2017 को उप–राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी के विदाई समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. आज, हम यहां श्री हामिद अंसारी जी को स्नेहपूर्ण विदाई दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले दस साल से उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति के उच्च पद पर सेवाएं दी। उन्होंने अपनी विद्वता तथा विशेषज्ञता से इस उच्च संवैधानिक पद के कर्त्तव्यों का निवर्हन किया।

2. वर्ष 2007 में पद ग्रहण करने पर राज्य सभा में श्री अंसारी जी ने कहा थाः ''मैं अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ करने और इस परिषद् के अधिकारों और विशेषाधिकारों की रक्षा और संरक्षा करने के सभी संभव प्रयास करने की शपथ लेता हूँ।'' निस्संदेह, पीठासीन अधिकारी के रूप में उन्होंने अच्छा कार्य किया है।

3. राजनीति के प्रतिस्पर्धात्मक बनने के साथ ही पीठासीन अधिकारी की भूमिका भी काफी चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। परन्तु श्री अंसारी ने अपने राजनयिक कौशल का पूरा उपयोग करते हुए यह प्रयास किया कि सभा की कार्यवाही स्थापित संवैधानिक नियमों व प्रक्रियाओं के अनुसार चले। उन्होंने सदैव सदस्यों को स्वेच्छा से अपने आप पर नियंत्रण रखने एवं सभा की मर्यादा, गरिमा एवं शालीनता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रेरित किया। आपने हमेशा representation & participating governance के

महत्व को समझा। आपका विश्वास राज्य सभा के प्रथम सभापति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कथन – 'Parliament is not only a legislative body but also a deliberative body.' पर हमेशा बना रहा और संसद में बेहतरीन तरीके से deliberations हो, ऐसा प्रयास आपका रहा है।

4. भारतीय विदेश सेवा के अपने दीर्घ कार्यकाल में संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान और अफगानिस्तान जैसे पश्चिमी एशियाई देशों में भारत के राजदूत के रूप में अपने कर्त्तव्यों के साथ पश्चिम एशिया के बारे में गहन जानकारी और अपने लेखन से भी जाने जाते हैं।

5. आपने राजनीति के केन्द्र में रहकर कार्य करने वाले उच्च पद के, जिसे अपने कार्य की प्रकृति के अनुसार राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर कार्य करना होता है, कर्त्तव्यों और अपेक्षाओं के साथ स्वयं को संयम के साथ समायोजित किया। यह बात हमारी संवैधानिक प्रणाली की परिपक्वता की महत्ता को दर्शाती है कि यह प्रणाली अपने साथ विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को साथ लेकर चलती हैं और अपनी गरिमा भी बढ़ाती है। श्री एपीजे अब्दुल कलाम और हमारे प्रिय अंसारी जी असाधारण उत्कृष्टता के साथ संवैधानिक पदों पर कार्य करने वाले ऐसे गैर–राजनीतिक व्यक्तित्वों के ज्वलंत उदाहरण हैं।

6. वास्तव में श्री अंसारी जी के लिए आराम और व्यस्तता रहित जीवन एक नई बात होगी, जिसका अवसर उन्हें अब तक कभी नहीं प्राप्त हुआ। **आप काम के बोझ से कभी थके नहीं। आठ दशकों से अधिक की आयु में भी आप अत्यंत ऊर्जावान व्यक्तित्व के धनी हैं। अपनी प्रखर उर्वरता एवं बुद्धिमता से आपने सम्पूर्ण भारतीय राजनीतिक एवं बौद्धिक परिवेश पर अपनी एक विशिष्ट एवं अमिट छाप छोड़ी है।**

7. मेरी शुभकामना है कि आप स्वस्थ रहें, बौद्धिक रूप से सक्रिय रहें तथा अपने पोतों–पोतियों की मुस्कराहटों के बीच जीवन व्यतीत करें। यह ऐसा सुख है जिससे आप कार्य की व्यस्तता के कारण अब तक वंचित रह गए होंगे।

धन्यवाद।